भारत पर्व 2023

भारत सरकार [गणतंत्र दिवस]समारोह के हिस्से के रूप में 26-31 जनवरी, 2023 तक **छह दिवसीय भव्य कार्यक्रम** ["भारत पर्व"] का आयोजन कर रही है।

- भारत पर्व की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी और वर्ष 2020 तक यह लाल किले के सामने ज्ञान पथ पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है। वर्ष **2021 में यह वर्चुअली** आयोजित किया गया था।

भारत पर्व:

- **पर्यटन मंत्रालय को** इसका **नोडल मंत्रालय बनाया गया है।**
    - इस कार्यक्रम में एक **भोजन उत्सव/ फूड फेस्टिविल, हस्तकला मेला, लोक** और **जनजातीय नृत्य प्रदर्शन, सांस्कृतिक मंडली प्रदर्शन, गणतंत्र दिवस झाँकी का प्रदर्शन** तथा **रोशनी में डूबा लाल किला** आदि शामिल हैं।
- इस कार्यक्रम के दौरान **देखो अपना देश,** [एक भारत श्रेष्ठ भारत], [G20] और **[LIFE मिशन]** की ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार किया जाएगा।
- यह कार्यक्रम **भारत की विविधिता में एकता का जश्न मनाने** और अमृत काल के अगले 25 वर्षों में भारत को**सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं विरासत** का केंद्र बनाने का एक तरीका है।
- यह आयोजन आदर्श वाक्य **वोकल फॉर लोकल** को भी बढ़ावा दे रहा है क्योंकि देश भर के कई कारीगर भी इसमें भाग ले रहे हैं।

नोट:

- **देखो अपना देश: पर्यटन मंत्रालय** ने देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में नागरिकों में जागरूकता उत्पन्न करने और नागरिकों को देश के भीतर पर्यटन हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनवरी **2020 में 'देखो अपना देश' पहल शुरू की।**
- **एक भारत श्रेष्ठ भारत:** इसे वर्ष 2015 में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये लॉन्च किया गया था ताकि **विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी समझ एवं बंधुत्व को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत की एकता तथा अखंडता को मज़बूत** किया जा सके।
- **G20:** भारत ने **[G20 की अध्यक्षता]** का पदभार ग्रहण कर लिया है।
    - **G20 का गठन वर्ष 1999 में 1990 के दशक के उत्तरार्द्ध के वित्तीय संकट** की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से **पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया** को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुनिश्चित करना है।
- **LiFE:** LiFE का विचार भारत द्वारा 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के **[26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26)]** के दौरान पेश किया गया था।
    - यह **विचार पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देता** है जो 'बिना सोचे-समझे और व्यर्थ उपभोग' के बजाय 'सचेत एवं जान-बूझकर उपयोग' पर केंद्रित है।

[स्रोत: पी.आई.बी.]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharat-parv-2023